

राजस्थान के तापीय वदियुतगृहों को मल्लिगा छत्तीसगढ से कोयला

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राजस्थान वदियुत उत्पादन नगिम को छत्तीसगढ के सरगुजा स्थिति परसा कोल ब्लॉक में खनन कार्य आरंभ करने के लिये छत्तीसगढ सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय से क्लियरेंस मलि गई है। इस नए ब्लॉक में कोयले का खनन कार्य आरंभ होते ही राज्य के तापीय वदियुतगृहों के लिये अतरिकित कोयला मलिने लगेगा।

प्रमुख बदि

- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोट पछिले दिनों 25 मार्च को ऊर्जा मंत्री भँवर सहि भाटी व अधिकारियों के साथ छत्तीसगढ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से परसा कोल ब्लॉक और परसा ईस्ट कांटा बासन कोल ब्लॉक द्वितीय चरण में कोयले का खनन आरंभ करने की शीघ्र अनुमति देने का आग्रह कया था।
- छत्तीसगढ सरकार ने अगले दिनि ही पारसा ईस्ट कांटा बासन कोल ब्लॉक के द्वितीय चरण की कोल माइनगि की अनुमति दे दी, वही 6 अप्रैल को राज्य के नए कोल ब्लॉक परसा कोल ब्लॉक में भी कोयला खनन की अनुमति दी है।
- वदियुत उत्पादन नगिम को कोयला खनन की आवश्यक तैयारियों शीघ्र पूरी करने के नरिदेश दे दये गए हैं और आवश्यक तैयारियाँ आरंभ कर दी गई हैं।
- एसीएस माइंस, पेट्रोलियम व एनर्जी डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा राजस्थान वदियुत उत्पादन नगिम को 841.538 हेक्टेयर क्षेत्र का छत्तीसगढ के सरगुजा परसा कोल ब्लॉक 2015 में आवंटति कया गया था। केंद्र सरकार व छत्तीसगढ सरकार से क्लीयरेंस मलिने के बाद इस नए ब्लॉक में खनन कार्य कया जाएगा।
- इस नए परसा कोल ब्लॉक से कोयले का उत्पादन आरंभ होने पर राज्य को प्रतिदिनि करीब 2.7 रैक कोयले की मलि सकेगी। एक अनुमान के अनुसार इस ब्लॉक में 5 मलियिन टन प्रतिवर्ष कोयले का उत्पादन होने की संभावना है। इस नए ब्लॉक से कोयले की सालाना एक हज़ार रैक मलिगी।
- उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार को परसा ईस्ट व कांटा बेसनि में फेज वन में कोयला लगभग समाप्त हो जाने के कारण कोयले का संकट गहराने लगा था। परसा ईस्ट कांटा बेसनि के दूसरे चरण के 1136 हेक्टेयर वन भूमि में वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन वभिाग की क्लियरेंस भी पछिले दिनों मलि गई है।